अध्याय 6: मेरी माँ

विषय-सूची

5 प्रश्नावली · 10 प्रश्न

प्रश्नावली 6.1	मेरी समझ से	2 प्रश्न
प्रश्नावली 6.2	पंक्तियों पर चर्चा	2 प्रश्न
प्रश्नावली 6.3	मिलकर करें मिलान	1 प्रश्न
प्रश्नावली 6.4	सोच-विचार के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 6.5	शब्द-प्रयोग तरह-तरह के	1 प्रश्न

प्रश्नावली 6.1 — मेरी समझ से

प्रश्न 1

नीचे दिए गए प्रश्न का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए— 'किंतु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती।' बिस्मिल को अपनी किस इच्छा के पूर्ण न होने की आशंका थी? (क) भारत माता के साथ रहने की (ख) अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने की (ग) अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की (घ) भोग विलास तथा ऐश्वर्य भोगने की

हल

पाठ में बिस्मिल लिखते हैं: 'केवल एक इच्छा है, वह यह कि एक बार श्रद्धापूर्वक तुम्हारे चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना लेता। किंतु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती।'
वे जानते थे कि फाँसी से पहले वे अपनी माँ की सेवा का अवसर नहीं पा सकेंगे।
अतः सही उत्तर है: (ग) अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की।

उत्तर: (ग) अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की

प्रश्न 2

नीचे दिए गए प्रश्न का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए— रामप्रसाद बिस्मिल की माँ का सबसे बड़ा आदेश क्या था? (क) देश की सेवा करें (ख) कभी किसी के प्राण न लेना (ग) कभी किसी से छल न करना (घ) सदा सच बोलना

हल

पाठ में स्पष्ट लिखा है: 'माताजी का सबसे बड़ा आदेश मेरे लिए यही था कि किसी की प्राणहानि न हो। उनका कहना था कि अपने शत्रु को भी कभी प्राणदंड न देना।'
अतः सही उत्तर है: (ख) कभी किसी के प्राण न लेना।

उत्तर: (ख) कभी किसी के प्राण न लेना

प्रश्नावली 6.2 — पंक्तियों पर चर्चा

प्रश्न 1

पाठ में से चुनी गई निम्नलिखित पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए— 'यदि मुझे ऐसी माता न मिलतीं, तो मैं भी अति साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फँसकर जीवन निर्वाह करता।'

हल

इस पंक्ति में बिस्मिल अपनी माँ के प्रभाव को स्वीकार करते हैं।
उनका कहना है कि यदि उन्हें ऐसी प्रेरणादायक, साहसी और उदार माँ न मिलती, तो वे भी आम लोगों की तरह केवल घर-परिवार, खाने-पीने की चिंता में ही जीवन बिता देते।
माँ के प्रोत्साहन, सद्व्यवहार और स्वतंत्र विचारों ने उनके जीवन को एक असाधारण दिशा दी — देश-सेवा और क्रांतिकारी जीवन की ओर।
माँ ने उनमें दृढ़ता और साहस का संचार किया, जिसके बिना वे एक सामान्य जीवन ही जीते।

उत्तर: माँ के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के बिना बिस्मिल एक साधारण जीवन जीते; माँ ने ही उनमें देश-सेवा का जज्बा और दृढ़ता भरी।

प्रश्न 2

पाठ में से चुनी गई निम्नलिखित पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए— 'उनके इस आदेश की पूर्ति करने के लिए मुझे मज़बूरन दो-एक बार अपनी प्रतिज्ञा भंग भी करनी पड़ी थी।'

हल

माताजी का सबसे बड़ा आदेश था — किसी की प्राणहानि न करना, शत्रु को भी प्राणदंड न देना।
बिस्मिल एक क्रांतिकारी थे; संघर्ष के दौरान उन्हें कुछ ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जब वे किसी की जान बचाने या माँ के आदेश का पालन करने के लिए मजबूरन अपनी कोई अन्य प्रतिज्ञा तोड़नी पड़ी।
अर्थात माँ के जीवन-रक्षा के उपदेश को निभाने की कोशिश में दो-एक बार उन्हें अपने किसी और संकल्प से पीछे हटना पड़ा।
यह पंक्ति माँ के आदेश की गहराई और बिस्मिल की माँ के प्रति श्रद्धा को दर्शाती है।

उत्तर: माँ का आदेश था कि किसी का प्राण न लेना; इस आदेश का पालन करने की कोशिश में बिस्मिल को दो-एक बार अपनी दूसरी प्रतिज्ञा भंग करनी पड़ी।

प्रश्नावली 6.3 — मिलकर करें मिलान

प्रश्न 1

पाठ से चुनकर दिए गए निम्नलिखित शब्दों को उनके सही अर्थ या संदर्भों से मिलाइए— शब्द | अर्थ या संदर्भ 1. देवनागरी | 1. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की। 2. आर्यसमाज | 2. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति; इटली का मसीहा था जिसने लोगों को एक सूत्र में बाँधा। 3. मेजिनी | 3. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था। 4. गोबिंद सिंह | 4. भारत की एक भाषा-लिपि जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं।

हल

1. देवनागरी → 4. भारत की एक भाषा-लिपि जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं।
2. आर्यसमाज → 3. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था।
3. मेजिनी → 2. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति; इटली का मसीहा था जिसने लोगों को एक सूत्र में बाँधा।
4. गोबिंद सिंह → 1. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की।

उत्तर: देवनागरी→लिपि (4), आर्यसमाज→दयानंद की संस्था (3), मेजिनी→इटली का राष्ट्रवादी नेता (2), गोबिंद सिंह→सिखों के दसवें गुरु (1)

प्रश्नावली 6.4 — सोच-विचार के लिए

प्रश्न 1

बिस्मिल की माता जी जब ब्याह कर आईं तो उनकी आयु काफ़ी कम थी। (क) फिर भी उन्होंने स्वयं को अपने परिवार के अनुकूल कैसे ढाला? (ख) उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर स्वयं को कैसे शिक्षित किया?

हल

(क) माताजी ग्यारह वर्ष की आयु में विवाह कर शाहजहाँपुर आई थीं और उस समय एक अशिक्षित ग्रामीण कन्या के समान थीं।
शाहजहाँपुर आने के कुछ दिन बाद दादीजी की छोटी बहन ने उन्हें गृहकार्य की शिक्षा दी।
उन्होंने थोड़े समय में ही घर के सभी काम-काज समझ लिए और भोजनादि का ठीक-ठाक प्रबंध करने लगीं।
इस प्रकार लगन और परिश्रम से उन्होंने परिवार के अनुकूल स्वयं को ढाल लिया।

(ख) बिस्मिल के जन्म के पाँच-सात वर्ष बाद माताजी को हिंदी पढ़ने का शौक खुद ही पैदा हुआ।
मुहल्ले की जो शिक्षित सखी-सहेलियाँ घर आती थीं, उनसे वे अक्षर-बोध करतीं।
घर का सारा काम निपटाने के बाद जो भी समय मिलता, उसमें वे पढ़ना-लिखना करती थीं।
परिश्रम और इच्छाशक्ति से थोड़े ही दिनों में वे देवनागरी पुस्तकें पढ़ने लगीं और बाद में अपनी बेटियों को भी शिक्षा देने लगीं।

उत्तर: (क) दादीजी की बहन से गृहकार्य सीखकर परिवार के अनुकूल ढाला। (ख) पड़ोसनों से अक्षर-बोध सीखा, घर के काम के बाद समय निकालकर पढ़ा और देवनागरी पुस्तकें पढ़ना सीख लिया।

प्रश्न 2

बिस्मिल को साहसी बनाने में उनकी माता जी ने कैसे सहयोग दिया?

हल

माताजी ने बिस्मिल का उत्साह कभी भंग नहीं होने दिया, चाहे पिताजी और दादीजी उनके कार्यों का विरोध करते रहे।
जब बिस्मिल लखनऊ कांग्रेस में जाना चाहते थे, माताजी ने उन्हें खर्च देकर भेजा।
सेवा-समिति के कार्यों में वे बिस्मिल का साथ देती थीं, जिसके लिए उन्हें पिताजी की डाँट-फटकार भी सहनी पड़ती थी।
माताजी के प्रोत्साहन तथा सद्व्यवहार ने बिस्मिल के जीवन में वह दृढ़ता उत्पन्न की जिससे वे किसी भी संकट में अपना संकल्प नहीं त्यागते थे।
बिस्मिल स्वयं लिखते हैं: 'मुझमें जो कुछ जीवन तथा साहस आया, वह मेरी माताजी तथा गुरुदेव श्री सोमदेव जी की कृपाओं का ही परिणाम है।'

उत्तर: माताजी ने उनका उत्साह बनाए रखा, कांग्रेस जाने के लिए खर्च दिया, सेवा-समिति कार्यों में साथ दिया और डाँट-फटकार सहकर भी उनके हर साहसी कदम को प्रोत्साहित किया।

प्रश्न 3

आज से कई दशक पहले बिस्मिल की माँ शिक्षा के महत्व को समझती थीं, बताइए कैसे?

हल

जब दादीजी और पिताजी बिस्मिल के विवाह के लिए बहुत अनुरोध करते थे, माताजी ने हमेशा कहा कि 'शिक्षा पा चुकने के बाद ही विवाह करना उचित होगा।'
इस प्रकार उन्होंने विवाह से पहले शिक्षा को प्राथमिकता दी।
वे स्वयं भी अशिक्षित थीं, किंतु उन्होंने स्वेच्छा से पढ़ना-लिखना सीखा।
उन्होंने अपनी बेटियों को भी छोटी आयु से शिक्षा दी।
माताजी ने बिस्मिल की पढ़ाई और क्रांतिकारी जीवन में शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।
यह सब दर्शाता है कि वे उस युग में भी शिक्षा को जीवन की बुनियाद मानती थीं।

उत्तर: माताजी ने विवाह से पहले शिक्षा को प्राथमिकता दी, स्वयं पढ़ना सीखा और अपनी बेटियों को भी शिक्षित किया — यह सब उनके शिक्षा के प्रति जागरूकता को दर्शाता है।

प्रश्न 4

हम कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली थीं?

हल

माताजी ने बिस्मिल को लखनऊ कांग्रेस जाने के लिए खर्च दिया, जबकि पिताजी और दादीजी विरोध में थे — यह उनकी स्वतंत्र सोच का प्रमाण है।
उन्होंने बिस्मिल के सेवा-समिति कार्यों को प्रोत्साहित किया, जिसके लिए उन्हें पिताजी की डाँट भी सहनी पड़ती थी।
विवाह के अनुरोध के बावजूद उन्होंने कहा कि पहले शिक्षा पूरी हो — यह उदार और प्रगतिशील विचार है।
आर्यसमाज जैसे सुधारवादी आंदोलन के बारे में बिस्मिल से खूब वार्तालाप करती थीं और उनके विचार उत्तरोत्तर उदार होते गए।
बिस्मिल लिखते हैं: 'शिक्षादि के अतिरिक्त क्रांतिकारी जीवन में भी उन्होंने मेरी वैसी ही सहायता की है, जैसी मेजिनी को उनकी माता ने की थी।'
ये सभी तथ्य सिद्ध करते हैं कि वे स्वतंत्र और उदार विचारों वाली महिला थीं।

उत्तर: माँ ने परिवार के विरोध के बावजूद बिस्मिल को कांग्रेस जाने दिया, विवाह से पहले शिक्षा पर जोर दिया, क्रांतिकारी जीवन में साथ दिया — ये सब उनके स्वतंत्र और उदार विचारों के प्रमाण हैं।

प्रश्नावली 6.5 — शब्द-प्रयोग तरह-तरह के

प्रश्न 1

पाठ में 'अक्षर-बोध' (अक्षर का बोध/ज्ञान) और 'पढ़ना-लिखना' (पढ़ना और लिखना) जैसे संक्षिप्त संयुक्त शब्द आए हैं। इस पाठ से ऐसे और शब्द खोजकर सूची बनाइए।

हल

पाठ में संक्षिप्त संयुक्त शब्दों (जोड़ शब्द) की सूची:

1. डाँट-फटकार — डाँटना और फटकारना
2. काम-काज — काम और काज (कार्य)
3. भोजनादि — भोजन आदि (भोजन और अन्य)
4. पढ़ना-लिखना — पढ़ना और लिखना
5. चोरी-छिपे — चोरी से और छिपकर
6. बचते-बचाते — बचते हुए और बचाते हुए
7. जीवन-निर्वाह — जीवन का निर्वाह (गुज़ारा)
8. पालन-पोषण — पालन और पोषण
9. काम-काज — काम और काज
10. सखी-सहेली — सखी और सहेली
11. देश-सेवा — देश की सेवा
12. भोग-विलास — भोग और विलास
13. जन्म-जन्मांतर — इस जन्म और अगले जन्मों में

उत्तर: पाठ से संयुक्त शब्द: डाँट-फटकार, काम-काज, पढ़ना-लिखना, चोरी-छिपे, बचते-बचाते, जीवन-निर्वाह, पालन-पोषण, सखी-सहेली, देश-सेवा, भोग-विलास, जन्म-जन्मांतर।